

जनपद विजनौर में दैनिक भास्कर के बढ़ते कदम

जनपद में अमन व शांति व्यवस्था बनाए रखें



उमेश मिश्रा
ज़िलाधिकारी, विजनौर



दिनेश सिंह
पुलिस अधीक्षक



पूर्ण बोरा
मुख्य विकास अधिकारी विजनौर



जहांगीर भारती (ज़िला प्रभारी)

दैनिक भास्कर

मो. 9837992786

dainikbhaskar@gmail.com

ज़िला कार्यालय: रोडवेज़ बस स्टेंड के सामने, विजनौर (उ.प.)



सरका सार्य- सरका विकास

सरका विश्वास

नट सेवा - नामायण सेवा

सुचि मौसम चौधरी

सदर विपायक-22 विजनौर



ए. ऐश्वर्य चौधरी
(मौसम भैया)

कुंवर संजय सिंह

फूफड़ा स्टेट हल्डौर

जनपद-विजनौर



आपसे किये हर वादे निभायेंगे,
एक नई सोच के साथ आयेंगे।

अब नहातौर का भी होगा विकास,
गूजेरी विकास की लहर।
हम सबको मिलकर अपने नहातौर को विकास की ओर लेकर
जाना है और उच्च जीवन शैली को अपनाना है।
नगर पालिका परिषद नहातौर से अध्यक्ष पद
के प्रत्याशी

मौहम्मद ज़ैद रशीद

को अपनी

गोहब्बत और

सरपरस्ती से

नवाज़। मौज़ामिर शेख

राजा अंसारी

नगर पालिका परिषद, नहातौर से

चेयरमैन पद प्रत्याशी

जनपद-विजनौर

हाजी अस्तार अली

नगर पालिका परिषद, नहातौर से

चेयरमैन पद प्रत्याशी

जनपद-विजनौर



इरफान मंसूरी

मण्डप उपाध्यक्ष भाजपा

अ.मो., नहातौर

चौधरी गुनवान सिंह

भावी प्रत्याशी
भाजपा अध्यक्ष पद
नगर पालिका
परिषद, नहातौर

शमशाद अंसारी

चेयरपर्सन पति
जनपद-विजनौर



फ़ज़ُल अंसारी
स्योहारा

पांच साल

शैरफ़ीट वैश्वाल



कमरुल इस्लाम (कम्मू)
पूर्व चेयरमैन
नगर पालिका परिषद, शेरकोट

अब्दुल मनान

चेयरमैन

नगर पालिका परिषद, किरतपुर
जनपद-विजनौर



मन्नत फार्म
मुरादाबाद रोड, स्योहारा

एक बार खिदमत का मौका है।

मन्नत फार्म
मुरादाबाद रोड, स्योहारा

एक बार खिदमत का मौका है।

वर्मा मैटरनिटी एण्ड नर्सिंग होम



डा. मनोज वर्मा
हृदय रोग विशेषज्ञ



डा. लिपिसेन वर्मा
स्त्री प्रसूति रोग विशेषज्ञ

अरशद अंसारी

चेयरपर्सन पुत्र

नगर पालिका परिषद, चान्दपुर
जनपद-विजनौर



अज़्यीम अहमद

सभासद प्रत्याशी

नगर पालिका परिषद, नहातौर
जनपद-विजनौर

हम सभी को उनके बताए हुए रास्ते पर चलाने का प्रयास करना चाहिए। हम सभी एकजुट होकर ईमानदारी व सच्ची निष्ठा से अपना कार्य करें

एसटीएफ ने बरामद की एक करोड़ की स्मैक, दो गिरफ्तार

■ जनपद सहारनपुर के दुमखेड़ा रोड से हुई गिरफ्तारी, काफी समय से थी तलाश

भास्कर ब्यूरो
मेरठ। स्पेशल टास्क फोर्स ने अंतर्राजीय स्तर पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरफ्तार के 02 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जनपद सहारनपुर के दुमखेड़ा रोड से गिरफ्तारी हुई है। तस्करों के पास से एसटीएफ के 1,700 किग्रा स्मैक को बरामद किया गया है। जिसकी अंतर्राजीय मार्केट में मूल्य लगभग 01 करोड़ रुपए है।

एसटीएफ फैल्ड यूनिट के अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया, एसटीएफ त्रुप को विवार काफी समय से पर्खियां उत्तर प्रदेश के जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरफ्तार के सक्रिय होने की सूचनाएं प्राप्त हो रही थी। इस संबंध में एसटीएफ की इकायों, टीमों को तैयार किया गया। उपर्युक्तक संजय कुमार के नेतृत्व में मु.आ. प्रमोद कुमार जोशी राणा, आरक्षी दीपक



कुमार, विकास धामा की एक टीम जनपद सहारनपुर क्षेत्र में बैजूद थी। इसी दौरान सूचना मिली कि कुछ लोग अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करते हैं, वो स्मैक लेकर थाना चिलकाना से दुमखेड़ा जाने वाले रास्ते पर कियी गयी। उपर्युक्तक संजय कुमार के नेतृत्व में मु.आ. प्रमोद कुमार जोशी राणा, आरक्षी दीपक

को साथ लेकर मुख्यबिर द्वारा बताए गए थाना पर पहुँच गई। आवश्यक बल प्रयोग करते हुए 02 तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया, जिनका पास से 1,700 किग्रा स्मैक को बरामद किया है। जिसकी अंतर्राजीय मार्केट में मूल्य लगभग 01 करोड़ रुपए है। कुछालां में तस्करों ने अपने

बाल वैज्ञानिकों ने प्रस्तुत किए प्रोजेक्ट एवं शोध पत्र

भास्कर ब्यूरो

मेरठ। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2022 का आयोजन पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नोडल एजेंसी ईंटरेंट साइंस कम्युनिकेशन सोसायटी लखनऊ द्वारा एपर्सोल्फ्टी के पास किया गया। प्रेस रिपोर्ट द्वारा एपर्सोल्फ्टी के संस्थान पर वार्ता, भारत सरकार के इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों को ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वह अपने शोध कार्य को प्रदर्शित कर सकें अवैध प्रयोग के प्रश्न उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए। एपर्सोल्फ्टी एवं शोध पत्रों से संबंधित मूल भावना एवं तथ्यों की जाच हेतु गवन पुछाला की गई। निर्धारित मानदंडों के आधार पर उनके अंक प्रदान किए गए। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस एक सेक्टर से अधिक प्रोजेक्ट शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण हुआ। विभिन्न उप विषयों पर 4-4 निर्णयकों ने

गहन मूल्यांकन किया। निर्णयक मंडल के सदस्य के रूप में डॉ. पंकज कुमार, डॉ. अशुतोष मिश्र, डॉ. निशि अग्रवाल, तारिक बदर, डॉ. अखिलेश कुमार वर्मा, डॉ. एके शुक्ला, डॉ. संचिन कुमार शाहिल्ड, डॉ. संशुभित मिश्र, डॉ. सुशील कुमार, प्रोफेसर मोहनकांत गौतम, डॉ. आशा बिष्ट, मोनिका दुग्धल, डॉ. स्वामी बर्नी, डॉ. नाजिश मलिक, अरविंद मलिक, अरविंद बरेली अनें-जाने की एज एवं 10 हजार रुपए देता है। महताब के लिए कार्यक्रम को वोटिंग होगी। एपर्सोल्फ्टी के बाद वर्षों पुराने वर्षों की बातों की बातों को फोन किया तो उसने कहा कि थोड़ी देर में एक आदमी आकर मिलेगा, उसे पौसों का बैग दे देना और जो वह सामान दे उसे ले आना।

कुछ देर बाद एक मिले रैपर पास

■ मृतका के पिता पहुँचे एपर्सोली कार्यालय, कब्र से शव निकालकर पीएम कराने की मांग

मेरठ। विदेशी महिला से अवैध संबंध और दहेज में एक करोड़ की मांग पूरी न होने पर विवाहितों की हत्या कर दी गई। एपर्सोली कार्यालय पर मृतका के पिता ने रो-रोके अपनी पुत्री के कुमार, डॉ. जितेंद्र प्रताप, डॉ. रजनी शर्मा, दीक्षा वाणेय, मनजीत कौर, दिशा राणा, राहुल जोशी, डॉ. संदीप कुमार मौर्य, चंदन यादव, स्पिता रामी आदि ने सक्रिय सहभागिता के प्रश्न उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए। एपर्सोली के संबंध पत्रों से संबंधित मूल भावना एवं तथ्यों की जाच हेतु गवन पुछाला की गई। निर्धारित मानदंडों के आधार पर उनके अंक प्रदान किए गए। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस एक सेक्टर से अधिक प्रोजेक्ट शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण हुआ। विभिन्न उप विषयों पर 4-4 निर्णयकों ने

गहन मूल्यांकन किया। निर्णयक मंडल के सदस्य के रूप में डॉ. पंकज कुमार, डॉ. अशुतोष मिश्र, डॉ. निशि अग्रवाल, तारिक बदर, डॉ. अखिलेश कुमार वर्मा, डॉ. एके शुक्ला, डॉ. संचिन कुमार शाहिल्ड, डॉ. संशुभित मिश्र, डॉ. सुशील कुमार, प्रोफेसर मोहनकांत गौतम, डॉ. आशा बिष्ट, मोनिका दुग्धल, डॉ. स्वामी बर्नी, डॉ. नाजिश मलिक, अरविंद मलिक, अरविंद बरेली अनें-जाने की एज एवं 10 हजार रुपए देता है। महताब के लिए कार्यक्रम को वोटिंग होगी। एपर्सोली के बाद वर्षों पुराने वर्षों की बातों को फोन किया तो उसने कहा कि थोड़ी देर में एक आदमी आकर मिलेगा, उसे पौसों का बैग दे देना और जो वह सामान दे उसे ले आना।

कुछ देर बाद एक मिले रैपर पास

■ दहेज में नहीं मिले एक करोड़ तो पती को मार डाला

नम महताब चौधरी पुत्र अब्दुल रहीम निवासी ग्राम दुमखेड़ा थाना चिलकाना जनपद सहारनपुर व शहनवाज उक्त पथ पर पूछताछ में ये बताया गिरफ्तार खत्म हो गया है। एपर्सोली के लिए चुनाव प्रचार खत्म हो गया है। एपर्सोली के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सीएम अरविंद केजरीवाल ने टांडनहाल दिव जैजीवाल कार्यक्रम में व्यापारियों के साथ बात की। इस दौरान निगम के 250 वाडों पर लिए एक करोड़ पैसे के बाजार के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन चुनाव विनायक तारीख के लिए चुनाव के लिए चुनाव विनायक तारीख के लिए चुनाव के साथ बात की। इस दौरान निगम के 250 वाडों पर

नहीं दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के 250 वाडों पर होने वाले चुनाव के लिए चुनाव प्रचार खत्म हो गया है। एपर्सोली के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सीएम अरविंद केजरीवाल ने टांडनहाल दिव जैजीवाल कार्यक्रम में छुट्टी घोषित की जानी है। इसके लिए एक लेटर भी जारी किया गया है। डॉ.ओइं ने एक दिवान बायां के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन चुनावी ग्राम विनायक तारीख के लिए चुनाव के साथ बात की। इस दौरान निगम के 250 वाडों पर लिए एक करोड़ पैसे के बाजार के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन चुनाव विनायक तारीख के लिए चुनाव के साथ बात की। इस दौरान निगम के 250 वाडों पर

लेखी और केंद्रीय मंत्री अमुराग तारु ने बीजेपी प्रत्याशियों के पक्ष में दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में रोड शो किया। इसके साथ ही आप की तरफ से चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सीएम अरविंद केजरीवाल ने टांडनहाल दिव जैजीवाल कार्यक्रम में छुट्टी घोषित की जानी है। इसके लिए एक लेटर भी जारी किया गया है। डॉ.ओइं ने एक दिवान बायां के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन चुनावी ग्राम विनायक तारीख के लिए चुनाव के साथ बात की। इस दौरान निगम के 250 वाडों पर

लेखी और केंद्रीय मंत्री अमुराग तारु ने बीजेपी प्रत्याशियों के पक्ष में दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में रोड शो किया। इसके साथ ही आप की तरफ से चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सीएम अरविंद केजरीवाल ने टांडनहाल दिव जैजीवाल कार्यक्रम में छुट्टी घोषित की जानी है। इसके लिए एक लेटर भी जारी किया गया है। डॉ.ओइं ने एक दिवान बायां के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन चुनावी ग्राम विनायक तारीख के लिए चुनाव के साथ बात की। इस दौरान निगम के 250 वाडों पर

लेखी और केंद्रीय मंत्री अमुराग तारु ने बीजेपी प्रत्याशियों के पक्ष में दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में रोड शो किया। इसके साथ ही आप की तरफ से चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सीएम अरविंद केजरीवाल ने टांडनहाल दिव जैजीवाल कार्यक्रम में छुट्टी घोषित की जानी है। इसके लिए एक लेटर भी जारी किया गया है। डॉ.ओइं ने एक दिवान बायां के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन चुनावी ग्राम विनायक तारीख के लिए चुनाव के साथ बात की। इस दौरान निगम के 250 वाडों पर

लेखी और केंद्रीय मंत्री अमुराग तारु ने बीजेपी प्रत्याशियों के पक्ष में दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में रोड शो किया। इसके साथ ही आप की तरफ से चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सीएम अरविंद केजरीवाल ने टांडनहाल दिव जैजीवाल कार्यक्रम में छुट्टी घोषित की जानी है। इसके लिए एक लेटर भी जारी किया गया है। डॉ.ओइं ने एक दिवान बायां के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन चुनावी ग्राम विनायक तारीख के लिए चुनाव के साथ बात की। इस दौरान निगम के 250 वाडों पर

लेखी और केंद्रीय मंत्री अमुराग तारु ने बीजेपी प्रत्याशियों के पक्ष में दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में रोड शो किया। इसके साथ ही आप की तरफ से चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सीएम अरविंद केजरीवाल ने टांडनहाल दिव जैजीवाल कार्यक्रम में छुट्टी घोषित की जानी है। इसके लिए एक लेटर भी जारी किया गया है। डॉ.ओइं ने एक दिवान बायां के लिए चुनाव प्रचार के अंतिम दिन च



जन्म शताब्दी महोस्व - १९२३ - २०२३
पठम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी
गीता जयंती
सहज योग परिप्रेक्ष्य से



गीता जयंती का दिन हिंदुओं के पवित्र ग्रंथ श्रीमद् भगवद्-गीता के जन्म का प्रतीक है। मार्गिर्थी मॉस में धूकल पक्ष के 11 वें दिन यह जयंती मनाई जाती है।

भगवद् गीता या "भगवान का गीत" हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथों में से एक है और साधारणतः शारीरिक प्रसिद्ध है। यह शताब्दियों से लेखकों, वैज्ञानिकों, धर्मियों और दार्शनिकों - दूसरों के बीच - द्वारा उद्धृत किया गया है और अक्सर पश्चिमी दर्शकों के लिए हिंदू धर्म का परिचयात्मक पाठ है। हमारे समय के कई महान विचारकों ने इसे कि अल्बर्ट आइंस्टीन, महात्मा गांधी, और अल्बर्ट शेफ़र्ज के साथ-साथ नाध्वाचार्य, शंकर और रामानूज जैसे बीते युगों ने इसके कालातीत संदेश पर चिंतन और विचार-विमर्शी की रखी है।

पवित्र भगवद् गीता, पांच पाँडु राजकुमारों में से एक अर्जिन और श्री विष्णु के 8वें अवतार श्री कृष्ण की बीच एक संवाद का वर्णन करती है। इस महाकाव्य में श्री कृष्ण, अर्जिन के सारांशी की भूमिका में होते हैं। अर्जिन और उनके भाइयों को 13 साल के लिए गान्धी से निर्वासित कर दिया गया था और परिवार के एक अन्य गुरु द्वारा उनकी सही विवाहित से पृथक् कर दिया गया था; गीता लिहासन को पुनः प्राप्त करने के लिए उनके संघर्ष को उठा लेती है, जिसके लिए अवश्यक है कि अर्जिन को अपने सारे संघर्षों को शूल करते हुए स्वयं के परिचय युद्ध छेड़ देना चाहिए।

कहानी कुक्षिक्रत के धूल भरे मैदानों से थ्रु होती है, जहां अर्जिन एक प्रसिद्ध तीरदाज, लड़ने के लिए तैयार है। परन्तु परन्तु संकोच करता है वह अपने मित्रों, शिक्षकों, और दिलेतारों के खिलाफ कतारबद्ध देखता है, और मानता है कि धूलने के लिए - और सामान्य कर्तव्य के लिए - इन लोगों के प्रति गंभीर पाप करना होगा जो कुछ भी अच्छा नहीं लाया जाता है भले ही वह गान्धी को वापस जीत लेने की बात ही। कृष्ण, उसे उसकी कायरता के लिए ढांटते हैं - अर्जिन योद्धा जाति से है, और योद्धा लड़ने के लिए होते हैं - परन्तु फिर अपने शत्रुओं से लड़ने के लिए एक आध्यात्मिक तरक पैथ करते हैं - जिसमें कर्म, जनन और अक्षिकी विश्वासी शामिल है। योग, साथ ही देवत की प्रकृति, मानव जाति की अंतिम नियति, और नक्षत्र जीवन का उद्देश्य देते हैं।

गीता उच्चतम गृह शिरोंसे से युक्त ग्रंथ है। इसकी भाषा इतनी मधुर है कि कोई इसे आसानी से समझ सकता है परन्तु सारें इतना गहरा है कि कोई अपने जीवनकाल में इसे पूरी तरह से पूरा नहीं कर सकता है। श्रीकृष्ण द्वारा कही गई गीता इतनी गृह है कि ऐसा कोई शब्द नहीं है जो आध्यात्मिक पहलू से रहित हो।



18 अध्याय, 700 लोक

भगवद् गीता के अठारह अध्यायों को तीन खंडों में विभाजित किया जा सकता है। पहले 6 अध्याय कर्म योग या कर्तव्य पथ का वर्णन करते हैं। दूसरा सेत, अध्याय 7 से 12 तक, 'भक्ति' के मार्ग, या भगवान के प्रति प्रेमपूर्ण भक्ति की महिंगा करता है। वे भक्ति का पोषण करने वाले दिव्य अनुत्त के रूप में भगवान के ऐश्वर्य का भी वर्णन करते हैं। तीसरा सेत, अध्याय 13 से 18 तक, तत्त्व ज्ञान, या ज्ञान शास्त्र के नियमों और सिद्धांतों पर व्याख्या करता है।



सर्वधर्मनियन्त्रित्यन्य मामेकं शरणं द्रव्यं।
अहं त्वां सर्वपापेभ्यो मोक्षिष्यामि मा धृतः॥

सभी प्रकार के धर्मों का परित्याग करो और केवल मेरी शरण ग्रहण करो। मैं तुम्हें समर्पित पाप कर्मों की प्रतिक्रियाओं से मुक्त कर दूंगा, डरो मत। (Ch. 18 ver. 66)

देश-विदेश

पवित्र गीता से कुछ चुने लोक

कर्म योग या कर्म द्वारा योग

इन्द्रियाणि पदाण्याहुरियेभ्यः परं मनः।

मनसस्तु पदा बुद्धियोऽबुद्धिः परतन्तु मः॥

(Ch. 3, ver. 42)

स्थूल शरीर से इन्द्रियों श्रेष्ठ हैं और इन्द्रियों से श्रेष्ठ मन है। मन से परे बुद्धि है और बुद्धि से भी परे आत्मा है।

एवं बुद्धिः परं बुद्ध्या संस्तव्यात्मानमात्मानः।

जहं शत्रुं महाबाहो कामकर्पं दुराक्षदम्॥

(Ch. 3, ver. 43)

इस प्रकार बुद्धि से भी उच्च आत्मा को जानकर और बुद्धि से मन को वथ में करके इस दुर्भाग्यात्मा का संहार करो।

सच्चे आध्यात्मिक गुरु का महत्व

तद्विद्धिप्रणिपातेन परिप्रेक्षनेन सेवया।

उपरेक्ष्यन्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनस्तत्त्वददिनः॥

(Ch. 4, ver. 34)

आध्यात्मिक गुरु के पास जाकर सत्य को जानें। श्रद्धा से उससे पूछों और उसकी सेवा करो। ऐसे प्रबुद्ध संत आपको ज्ञान प्रदान कर सकते हैं क्योंकि उन्होंने सत्य को देखा है।

यज्ञात्वा न पूर्नमोहनेतं यास्यसि पाण्डव।

येन भूत्यन्यथेषाणेन द्रश्यम्यात्मानम्यथो मर्यि॥

(Ch. 4, ver. 35)

इस मार्ग पर चलते हुए और एक गुरु से ज्ञान प्राप्त करने के बाद, है अर्जिन, तुम अब भ्रम में नहीं पड़ोगे। उस ज्ञान के प्रकाश में, तुम देखोगे कि सभी जीव परमात्मा के अंथ मात्र हैं, और मेरे भीतर हैं।

अपि चेदसि पापेभ्यः सर्वेभ्यः पापकृतमः।

सर्वं ज्ञानालयैव वृत्तिं संस्तव्यात्मिक्यन्ति॥

(Ch. 4, ver. 36)

यहां तक कि जो सभी पापियों में स्फरते अनैतिक माने जाते हैं, वे भी दिव्य ज्ञान की नाव में बैठकर भौतिक अस्तित्व के इस महासागर को पार कर सकते हैं।

सर्वभौतिक प्रेम और करुणा

तबुद्ध्यप्रसादात्मानानस्तत्त्वदिन्नास्त्वाः।

गच्छ्यत्प्रसादवृत्तिं ज्ञानिनस्तत्त्वम्॥

(Ch. 5, ver. 17)

जिनकी बुद्धि इंश्वर में स्थित है, जो इंश्वर में पूर्ण रूप से लीन हैं, उनमें परम लक्ष्य के रूप में दृढ़ विश्वास रखते हुए, ऐसे व्यक्ति ज्ञान के प्रकाश से अपने पापों को दूर करके शीघ्र ही उस स्थिति को प्राप्त कर लेते हैं, जहां से कोई वापरी नहीं होती है।

विद्याविनयसम्पन्ने ब्राह्मणो गति हास्तिनि।

शुद्धि चैव श्रवणेत च पाण्डितः सर्वदीप्तिः॥

(Ch. 5, ver. 18)

दिव्य ज्ञान की आँखों से, वास्तव में विद्वान एक ब्राह्मण, एक गाय, एक हाथी, एक कुरु और एक कुरुते को खाने वाले को समान दृष्टि से देखते हैं।

बाह्यप्रथेष्वसमरकात्मा विन्दत्यात्मिक यत्सुखन्।

म ब्रह्मण्यगुयकात्मा सुखमध्यमन्तुते॥

(Ch. 5, ver. 21)

जो बाह्य इन्द्रिय सुखों से आसक्त नहीं हैं वे द्वय में दिव्य आनंद का अनुभव करते हैं। योग के माध्यम से भगवान के साथ एक होने के कारण वे अनंत सुख का अनुभव करते हैं।

योऽन्तःस्मुखोऽन्तरायामस्तत्पत्याव्यायोतिरेप यः।

स योगी ब्रह्मनिवारिणीं ब्रह्मभूतोऽधिगच्छति॥

(Ch. 5, ver. 24)

जो अपने भीतर भ्रमान्त के आनंद का आनंद ले रहे हैं, और अंतरिक प्रकाश से प्रकाशित हैं, ऐसे योगी भगवान के साथ जु़द जाते हैं और औतिक अस्तित्व से मुक्त हो जाते हैं।

लभन्ते ब्रह्मनिवारिणीं श्रीकृष्णलभ्याः।

छिन्नद्वैष्ट्यात्मानां सर्वभूतद्विद्वतः॥

(Ch. 5, ver. 25)

वे परिव व्यक्ति, जिनके पाप गहरे गहरे हैं, जिनके सांदेह नष्ट हो गए हैं, जिनके मन अनुशासित हैं, और जो सभी प्राणियों के कारण के लिए सामर्पित हैं, वे भगवान को प्राप्त करते हैं और भौतिक अस्तित्व से मुक्त हो जाते हैं।